शरणार्थियों का अपना घर छोड़कर तमिलनाडु से कर्णाटक तथा कर्णाटक से तमिलनाडु भागना

280. **श्री वी० गोपालस्वामी :**
श्री डिंडीवनम जी० वेंकटरामन :
श्री एम० विनसेंट :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कावेरी जल विवाद के कारण भड़की हिंसा के कारण अपना घर छोड़कर तमिलनाडु से कर्णाटक तथा कर्णाटक से तमिलनाडु भागने वाले लोगों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार को इस संबंध में कर्णाटक तथा तमिलनाडु राज्य सरकारों से कोई रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं; यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा संबंधित राज्य सरकारों को किस प्रकार की सहायता दी जा रही है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) तमिलनाडु सरकार द्वारा चलाये गये शिविरों में एक लाख से अधिक तमिलों ने अपना पंजीकरण करवाया कर्णाटक सरकार द्वारा स्थापित शिविरों में 5500 से अधिक कन्नड़ियों ने पंजीकरण कराया

(ख) जी हां, श्रीमान् कर्णाटक सरकार से प्राप्त रिपोर्ट में राज्य में हो रही घटनाओं के ब्यौरे दिये गये हैं। तमिलनाडु सरकार से प्राप्त रिपोर्ट में शिकायत की गई है कि कर्णाटक सरकार ने समय पर तमिल लोगों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं करवाई तथा भारत सरकार से अनुरोध किया है कि सामान्य स्थिति इत्यादि की बहाली के लिये कर्णाटक सरकार को उचित अनुदेश दिये जायें।

(ग) संविधान की सातवीं अनुसूची के अधीन लोक व्यवस्था और पुलिस राज्य के विषय हैं। अतः कानून और व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी सीधे राज्य सरकारों की है। तथापि केन्द्र सरकार राज्य सरकारों के साथ संपर्क बनाये रखती है तथा स्थिति का निरन्तर प्रबोधन करती है तथा उसकी समीक्षा करती है। जब कभी आवश्यक होता है, राज्य सरकारों को उचित सहायता दी जाती है।

पुलिस महानिदेशक, श्रीनगर के कार्यालय में बम विस्फोट

290. **श्री जगमोहन :**
श्री वीरेन ज० शाह :
श्री राघवजी :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 24 जनवरी, 1992 को श्रीनगर में पुलिस महानिदेशक के कार्यालय में बम विस्फोट हुआ, जिसमें पांच वरिष्ठ अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुये ;

(ख) क्या मामले की कोई छानबीन कराई गई है; यदि हां, तो उसमें कितनी प्रगति हुई है और क्या अभी तक किसी सुराग का पता चला है ;

(ग) क्या इस संबंध में कोई गिरफ्तारियां की गई हैं ; और

(घ) आंतरिक तोड़-फोड़ के बढ़ते हुये संकट को रोकने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाये हैं ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) से (घ) 24 जनवरी, 1992 को श्रीनगर के पुलिस मुख्यालय में बम फटने और उसके परिणामस्वरूप आग लगने से इस घटना में एक कांस्टेबल मारा गया